



शोधामृत

(कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अर्धवार्षिक, सहकर्मी समीक्षित, मूल्यांकित शोध पत्रिका)

ISSN : 3048-9296 (Online)

3049-2890 (Print)

IIFS Impact Factor-2.0

Vol.-2; issue-2 (July-Dec.) 2025

Page No- 106-111

©2025 Shodhaamrit

<https://shodhaamrit.gyanvividha.com>

1. डॉ. सुषमा वानखेड़े

सहायक प्राध्यापक, हसदेव शिक्षा महाविद्यालय, कोरबा, छत्तीसगढ़.

2. डॉ. सेनापति नायक

पूर्व प्रभारी प्राचार्य, मां एजुकेशन कॉलेज, पामगढ़, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़.

3. मोहम्मद अजीम अंसारी

टीजीटी, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम गवर्नमेंट स्कूल, महलपारा, बैकुंठपुर, छत्तीसगढ़.

Corresponding Author :

डॉ. सुषमा वानखेड़े

सहायक प्राध्यापक, हसदेव शिक्षा महाविद्यालय, कोरबा, छत्तीसगढ़.

विद्यालय छात्रों की संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध : एक अध्ययन

सारांश : आज के शैक्षणिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में छात्रों की **संवेगिक बुद्धि (Emotional Intelligence-EI)** और **समय प्रबंधन क्षमता** उनके व्यक्तिगत और शैक्षणिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कारक हैं। संवेगिक बुद्धि केवल भावनाओं को पहचानने और नियंत्रित करने की क्षमता नहीं है, बल्कि यह सामाजिक कौशल, आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण और तनाव प्रबंधन में भी योगदान देती है (Goleman, 1995)। समय प्रबंधन क्षमता छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी होती है, और यह उनके अध्ययन और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है (Cohen, McCabe, Michelli, & Pickeral, 2009)। इस अध्ययन का उद्देश्य यह विश्लेषण करना था कि **विद्यालय छात्रों में संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध** किस प्रकार है। अध्ययन में 9वीं और 10वीं कक्षा के 200 छात्रों पर सर्वेक्षण किया गया। डेटा संग्रह के लिए **Emotional Intelligence Scale (EIS)** और **Time Management Scale (TMS)** का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए **Pearson correlation** और **Regression analysis** तकनीकों का प्रयोग किया गया। अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्र समय का अधिक प्रभावी प्रबंधन करते हैं, अध्ययन और अतिरिक्त गतिविधियों में संतुलन बनाए रखते हैं और मानसिक रूप से अधिक सशक्त होते हैं। इसके विपरीत, जिन छात्रों की संवेगिक बुद्धि कम थी, उनके समय प्रबंधन कौशल में कमी देखी गई (Sharma & Yadav, 2021)। यह निष्कर्ष स्पष्ट करता है कि संवेगिक बुद्धि के विकास से **समय प्रबंधन क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन** दोनों में सुधार संभव है। इसलिए विद्यालयों और नीतिनिर्माताओं को छात्रों की EI को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम लागू करने चाहिए।

बीज शब्द : संवेगिक बुद्धि, समय प्रबंधन क्षमता, विद्यालय छात्र, शैक्षणिक प्रदर्शन, आत्म-संयम।

पृष्ठभूमि : वर्तमान शैक्षणिक और सामाजिक परिदृश्य में छात्रों से केवल अकादमिक ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती, बल्कि उन्हें अपनी **भावनाओं को समझने, नियंत्रित करने और समय का प्रभावी प्रबंधन करने** की क्षमता भी विकसित करनी होती है। संवेगिक बुद्धि (Emotional Intelligence–EI) ऐसी क्षमता है जो छात्रों को न केवल अपने और दूसरों के भावनाओं को पहचानने में मदद करती है, बल्कि उनके **सामाजिक व्यवहार, आत्म-नियंत्रण, तनाव प्रबंधन और निर्णय क्षमता** को भी प्रभावित करती है (Goleman, 1995)। अध्ययन और अनुभव बताते हैं कि उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्र सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक सफल होते हैं और अपनी समस्याओं का सामना बेहतर ढंग से कर पाते हैं (Sharma & Yadav, 2021)। समय प्रबंधन क्षमता का अर्थ है अपनी गतिविधियों, अध्ययन और अन्य जिम्मेदारियों को सुव्यवस्थित करना और उन्हें समय पर पूर्ण करना। यह क्षमता छात्रों को **अनुशासित, उत्पादक और आत्मनिर्भर** बनाने में सहायक होती है। समय प्रबंधन की दक्षता न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रभावित करती है, बल्कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव नियंत्रण और सामाजिक सहभागिता में भी सुधार करती है (Cohen, McCabe, Michelli, & Pickeral, 2009)। विद्यालय छात्रों में संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध का अध्ययन इसलिए आवश्यक है क्योंकि यह छात्रों की **समग्र शिक्षा, सामाजिक और भावनात्मक विकास** के लिए महत्वपूर्ण है। NEP-2020 के अनुसार, विद्यालयों में ऐसी गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए, जो छात्रों की EI और समय प्रबंधन कौशल दोनों को विकसित करें (Government of India, 2020)। इस अध्ययन में मुख्य रूप से यह जानने का प्रयास किया गया है कि **उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्र समय का कितना कुशल प्रबंधन करते हैं**, उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है, और EI के कौन से आयाम समय प्रबंधन क्षमता को अधिक प्रभावित करते हैं। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होगा कि विद्यालयों और नीतिनिर्माताओं के लिए **EI विकास और समय प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों** का महत्व कितना है।

साहित्य समीक्षा (Literature Review) :

साहित्य समीक्षा इस शोध का महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह पूर्व के अध्ययन और शोध कार्यों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। संवेगिक बुद्धि (EI) और समय प्रबंधन क्षमता पर किए गए अनेक अध्ययन इस विषय की व्यापकता और महत्त्व को दर्शाते हैं।

- Sharma & Yadav (2021) ने पाया कि उच्च EI वाले छात्र समय का बेहतर प्रबंधन करते हैं और तनावपूर्ण परिस्थितियों में अधिक संतुलित रहते हैं।
- Kumar (2019) ने अध्ययन किया कि EI छात्रों के संगठनात्मक कौशल और प्राथमिकता निर्धारण क्षमता को प्रभावित करती है।
- Rivers et al. (2012) ने दिखाया कि EI प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों की अध्ययन योजना और समय प्रबंधन में सुधार करते हैं।
- Brackett et al. (2011) ने पाया कि EI का उच्च स्तर छात्रों के तनाव प्रबंधन और समय उपयोग में सुधार करता है।
- MacCann et al. (2011) ने अध्ययन किया कि EI और आत्म-नियंत्रण समय प्रबंधन क्षमता के लिए पूर्वानुमानक होते हैं।
- Barrett et al. (2011) ने देखा कि EI के प्रशिक्षण से छात्रों की समय प्रबंधन और अध्ययन अनुशासन में सुधार होता है।
- Fernández-Berrocal et al. (2010) ने अध्ययन किया कि EI सामाजिक और शैक्षणिक दक्षता में सकारात्मक प्रभाव डालती है।
- Cohen, McCabe, Michelli, & Pickeral (2009) ने स्कूल क्लाइमेट और समय प्रबंधन क्षमता के बीच सकारात्मक संबंध पाया।
- Qualter et al. (2009) ने संकेत दिया कि EI का विकास छात्रों के आत्म-प्रबंधन और अध्ययन अनुशासन में सुधार करता है।
- Mayer et al. (2008) के अनुसार, EI छात्रों को निर्णय लेने और समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाती है।
- Humphrey et al. (2007) ने पाया कि EI सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाती है।

- Extremera & Fernández-Berrocal (2006) ने पाया कि सामाजिक जागरूकता और आत्म-प्रबंधन समय प्रबंधन कौशल के लिए आवश्यक हैं।
- Sy, Tram, & O'Hara (2006) ने कार्यस्थल और शिक्षा सेटिंग में EI और समय प्रबंधन के बीच सकारात्मक संबंध दर्शाया।
- Ashkanasy & Daus (2005) ने शैक्षणिक और पेशेवर सेटिंग में EI और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध की पुष्टि की।
- Parker et al. (2004) ने यह दिखाया कि EI का प्रभाव शैक्षणिक प्रदर्शन और अध्ययन योजना पर होता है।
- Zins et al. (2004) ने सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के प्रभाव और समय प्रबंधन कौशल पर अध्ययन किया।
- Petrides et al. (2004) के अनुसार, EI छात्रों की भावनात्मक स्थिरता और समय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- Van Rooy & Viswesvaran (2004) ने पाया कि EI आत्म-नियंत्रण और संगठनात्मक कौशल के लिए पूर्वानुमानक है।
- Nelson & Low (2003) ने EI के विकास को छात्रों के लक्ष्य निर्धारण और समय प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण माना।
- Pekrun et al. (2002) ने शैक्षणिक भावनाओं और समय प्रबंधन के बीच संबंध पर शोध किया।
- Ciarrochi, Chan, & Caputi (2000) के अनुसार, EI के विकास से छात्र तनाव और समय प्रबंधन दक्षता में सुधार करते हैं।

सारांश में, विभिन्न शोध यह दर्शाते हैं कि संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता परस्पर जुड़े हुए हैं। उच्च EI वाले छात्र न केवल भावनात्मक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त होते हैं, बल्कि उनकी शैक्षणिक प्रदर्शन, आत्मविश्वास और कार्य-संगठन क्षमता भी बेहतर होती है। इसलिए विद्यालयों में EI विकास कार्यक्रमों का समावेश समय प्रबंधन कौशल और समग्र शिक्षा के लिए आवश्यक है।

अध्ययन पद्धति (Methodology) :

1. अनुसंधान का प्रकार :

यह अध्ययन सांख्यिकीय और सर्वेक्षण आधारित

अनुसंधान है, जिसका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यालय छात्रों की संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच किस प्रकार संबंध है।

2. नमूना (Sample) :

अध्ययन में 9वीं और 10वीं कक्षा के 200 छात्र शामिल किए गए। छात्रों का चयन सुव्यवस्थित यादृच्छिक चयन (Stratified Random Sampling) पद्धति द्वारा किया गया ताकि विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले छात्र शामिल हों।

3. उपकरण (Tools/Instruments) :

अध्ययन में डेटा संग्रह के लिए निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया:

- **Emotional Intelligence Scale (EIS):** संवेगिक बुद्धि के विभिन्न आयामों (आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता, और संबंध प्रबंधन) का मूल्यांकन करने के लिए।
- **Time Management Scale (TMS):** छात्रों की समय प्रबंधन क्षमता, अध्ययन योजना और दैनिक गतिविधियों में संगठनात्मक दक्षता का मापन करने के लिए।

4. डेटा संग्रह (Data Collection) :

डेटा सर्वेक्षण प्रश्नावली और व्यक्तिगत मूल्यांकन के माध्यम से एकत्रित किया गया। प्रत्येक छात्र से स्व-रिपोर्ट फॉर्म भरा गया और उनकी सहमति के बाद डेटा संग्रह किया गया।

5. सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Analysis)

: एकत्रित डेटा का विश्लेषण करने के लिए निम्न सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग किया गया :

- Pearson's Correlation: संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध को मापने के लिए।
- Regression Analysis: यह समझने के लिए कि संवेगिक बुद्धि के विभिन्न आयाम समय प्रबंधन क्षमता को कितना प्रभावित करते हैं।
- Descriptive Statistics (Mean, SD, Frequency): नमूने का सामान्य विश्लेषण और प्राथमिक निष्कर्ष तैयार करने के लिए।

6. विश्वसनीयता और वैधता (Reliability & Validity) :

उपकरणों की विश्वसनीयता

Cronbach's Alpha के माध्यम से सुनिश्चित की गई और विशेषज्ञ मूल्यांकन द्वारा सामग्री की वैधता (Content Validity) प्रमाणित की गई।

शोध उद्देश्य :

1. **संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध का अध्ययन करना।**
2. **उच्च और निम्न संवेगिक बुद्धि वाले छात्रों की तुलना करना।**
3. **संवेगिक बुद्धि के विभिन्न आयामों का प्रभाव जांचना।**
4. **शैक्षणिक प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का विश्लेषण करना।**
5. **नीति और अभ्यास के लिए सुझाव प्रदान करना।**
6. **विद्यालय और नीतिनिर्माताओं के लिए EI विकास और समय प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी ढांचे का सुझाव देना।**

शोध परिकल्पनाएँ :

1. प्राथमिक परिकल्पना (Primary Hypothesis) : विद्यालय छात्रों की संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध होगा।
2. द्वितीयक परिकल्पना (Secondary Hypotheses) :
 - 2.1. उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्र समय का बेहतर प्रबंधन करते हैं और अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक संगठित होते हैं।
 - 2.2. संवेगिक बुद्धि के विभिन्न आयाम (जैसे आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन) समय प्रबंधन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
 - 2.3. संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता का स्तर छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य के साथ सकारात्मक रूप से संबंधित होगा।
 - 2.4. जिन छात्रों में संवेगिक बुद्धि कम है, वे समय प्रबंधन में कम दक्ष होंगे और शैक्षणिक व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना अधिक करेंगे।

शोध परिणाम :

अध्ययन के 200 छात्रों के डेटा का विश्लेषण करने पर

निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए:

1. **संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच संबंध:**
Pearson's Correlation के अनुसार, संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध ($r = 0.68$, $p < 0.01$) पाया गया। इसका अर्थ है कि उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्र समय का बेहतर प्रबंधन करते हैं।
2. **उच्च और निम्न EI वाले छात्रों का तुलनात्मक विश्लेषण:**
उच्च EI वाले छात्रों की Mean Time Management Score = 78.4 जबकि निम्न EI वाले छात्रों की Mean = 52.6 थी। यह परिणाम दर्शाता है कि संवेगिक बुद्धि में उच्च स्तर वाले छात्र अधिक संगठित और अनुशासित हैं।
3. **संवेगिक बुद्धि के आयामों का प्रभाव:**
Regression Analysis से यह स्पष्ट हुआ कि आत्म-जागरूकता और आत्म-नियंत्रण समय प्रबंधन क्षमता के लिए सबसे महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक हैं, जबकि सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन का प्रभाव मध्यम स्तर का पाया गया।
4. **शैक्षणिक प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
उच्च संवेगिक बुद्धि वाले छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन और आत्मविश्वास स्तर अधिक था। वहीं, निम्न EI वाले छात्रों में तनाव और अव्यवस्थित अध्ययन आदतें अधिक पाई गईं।

चर्चा (Discussion) : अध्ययन से स्पष्ट होता है कि संवेगिक बुद्धि और समय प्रबंधन क्षमता परस्पर संबंधित हैं। उच्च EI वाले छात्र न केवल भावनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि वे अपनी दिनचर्या, अध्ययन योजना और गतिविधियों में संतुलन बनाए रख सकते हैं। यह परिणाम Goleman (1995) और Sharma & Yadav (2021) के निष्कर्षों के अनुरूप है, जिन्होंने बताया कि EI छात्रों के सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। Regression Analysis से यह भी पता चला कि आत्म-जागरूकता और आत्म-नियंत्रण समय प्रबंधन क्षमता के लिए मुख्य कारक

हैं। इसका मतलब है कि छात्र जो अपनी भावनाओं और आवेगों को नियंत्रित कर सकते हैं, वे समय का अधिक कुशल प्रबंधन कर सकते हैं। यह Cohen et al. (2009) और Parker et al. (2004) के अध्ययन से भी मेल खाता है। इसके अतिरिक्त, अध्ययन ने यह सुझाव दिया कि विद्यालय स्तर पर EI विकास कार्यक्रम छात्रों की समय प्रबंधन क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार ला सकते हैं। NEP-2020 (Government of India, 2020) के दिशा-निर्देश भी इसी दिशा में संकेत करते हैं। अतः निष्कर्ष यह है कि संवेगिक बुद्धि का विकास न केवल छात्रों की सामाजिक और भावनात्मक दक्षता बढ़ाता है, बल्कि उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और समय प्रबंधन कौशल में भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

निष्कर्ष : अध्ययन के परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि संवेगिक बुद्धि (Emotional Intelligence – EI) और समय प्रबंधन क्षमता विद्यालय छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उच्च EI वाले छात्र न केवल अपनी भावनाओं को समझते और नियंत्रित करते हैं, बल्कि समय का बेहतर प्रबंधन करके शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखते हैं। सर्वेक्षण और सांख्यिकीय विश्लेषण से यह पाया गया कि :

- EI और समय प्रबंधन क्षमता के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध है।
- आत्म-जागरूकता और आत्म-नियंत्रण EI के सबसे प्रभावशाली घटक हैं जो समय प्रबंधन कौशल को प्रभावित करते हैं।
- उच्च EI वाले छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर पाया गया, जबकि निम्न EI वाले छात्रों में समय प्रबंधन में कमी और तनाव की अधिक संभावना थी।

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि संवेगिक बुद्धि का विकास छात्रों के सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास के लिए अनिवार्य है। यह NEP-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसमें छात्रों में समग्र व्यक्तित्व विकास और आत्म-प्रबंधन क्षमता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

सुझाव (Recommendations) :

1. विद्यालय में EI विकास कार्यक्रम लागू करें: छात्रों के आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण,

सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन को सुधारने के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।

2. समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर प्रशिक्षण: छात्रों को अध्ययन समय, प्राथमिकता निर्धारण और लक्ष्य आधारित योजना बनाने की तकनीकें सिखाई जाएं।
3. शिक्षकों को प्रशिक्षित करें: शिक्षक EI और समय प्रबंधन कौशल को पहचानने और छात्रों को मार्गदर्शन देने में सक्षम हों।
4. सहभागी और अनुभव आधारित शिक्षण: समूह कार्य, प्रोजेक्ट आधारित अध्ययन और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक और भावनात्मक दक्षता बढ़ाई जाए।
5. निरंतर मूल्यांकन और फीडबैक: छात्रों की EI और समय प्रबंधन क्षमता का नियमित मूल्यांकन किया जाए और व्यक्तिगत सुझाव दिए जाएं।
6. नीति निर्माताओं के लिए सुझाव : NEP-2020 के अनुसार शैक्षणिक पाठ्यक्रम में EI और समय प्रबंधन कौशल को शामिल किया जाए, ताकि छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो।

संदर्भ सूची :

1. गोलेमन, डी. (1995)। इमोशनल इंटेलिजेंस: क्यों यह IQ से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। न्यू यॉर्क: बेंटम बुक्स।
2. शर्मा, आर., एवं यादव, पी. (2021)। विद्यालय वातावरण का छात्रों की सीखने की उपलब्धियों पर प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोसाइटी, 12(3), 45–58।
3. कोहेन, जे., मैककेब, एल., मिशेली, एन. एम., एवं पिकरेल, टी. (2009)। विद्यालय क्लाइमेट: अनुसंधान, नीति, अभ्यास और शिक्षक प्रशिक्षण। टीचर्स कॉलेज रिकॉर्ड, 111(1), 180–213।
4. कुमार, ए. (2019)। भारत में शिक्षा सुधार: एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण। नई दिल्ली: अकादमिक प्रेस।
5. बार-ऑन, आर. (1997)। बार-ऑन इमोशनल क्वेशिऑन इन्वेनट्री (EQ-i): तकनीकी मैनुअल। टोरंटो: मल्टी-हेल्थ सिस्टम्स।

6. सालोवे, पी., एवं मेयर, जे. डी. (1990)। संवेगिक बुद्धि। इमैजिनेशन, कॉग्रिशन एंड पर्सनालिटी, 9(3), 185-211।
7. ब्रैकेट, एम. ए., रिवर्स, एस. ई., शिफ़मैन, एस., लेर्नर, एन., एवं सालोवे, पी. (2011)। सामाजिक कार्य में भावनात्मक क्षमताओं का संबंध: EI के स्व-रिपोर्ट और प्रदर्शन माप का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी, 91(4), 780-795।
8. पार्कर, जे. डी. ए., समरफेल्ड, एल. जे., होगन, एम. जे., एवं मेजेस्की, एस. ए. (2004)। संवेगिक बुद्धि और शैक्षणिक सफलता: हाई स्कूल से विश्वविद्यालय में संक्रमण का अध्ययन। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंस, 36(1), 163-172।
9. मैककैन, सी., जोसेफ, डी. एल., न्यूमैन, डी. ए., एवं रॉबर्ट्स, आर. डी. (2011)। संवेगिक बुद्धि: बुद्धि का द्वितीय-स्तरीय कारक। इमोशन, 11(2), 232-246।
10. एक्स्ट्रेमेरा, एन., एवं फर्नांडीज-बेरोकल, पी. (2006)। विश्वविद्यालय छात्रों में मानसिक, सामाजिक और शारीरिक स्वास्थ्य का पूर्वानुमानक के रूप में संवेगिक बुद्धि। द स्पैनिस जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 9(1), 45-51।
11. मेयर, जे. डी., सालोवे, पी., एवं करुसो, डी. आर. (2008)। संवेगिक बुद्धि: नई क्षमता या विविध गुण? अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट, 63(6), 503-517।
12. सी, टी., ट्राम, एस., एवं ओ'हारा, एल. ए. (2006)। कर्मचारी और प्रबंधक की संवेगिक बुद्धि का नौकरी संतोष और प्रदर्शन से संबंध। जर्नल ऑफ वोकेशनल बिहेवियर, 68(3), 461-473।
13. जिन्स, जे. ई., वेइसबर्ग, आर. पी., वांग, एम. सी., एवं वाल्बर्ग, एच. जे. (2004)। सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा पर आधारित शैक्षणिक सफलता का निर्माण। न्यू यॉर्क: टीचर्स कॉलेज प्रेस।
14. क्वाल्टर, पी., व्हाइटले, एच. ई., मोरले, ए., एवं डुडियक, एच. (2009)। संवेगिक बुद्धि और शैक्षणिक उपलब्धि: लिंग और सामाजिक वर्ग के प्रभाव। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंस, 47(5), 357-362।
15. हम्फ्री, एन., आदि (2007)। संवेगिक बुद्धि और शिक्षा: एक आलोचनात्मक समीक्षा। एजुकेशनल साइकोलॉजी, 27(2), 235-254।
16. पेट्रिडेस, के. वी., फ्रेडरिकसन, एन., एवं फर्नहम, ए. (2004)। स्कूल में शैक्षणिक प्रदर्शन और विचलित व्यवहार में गुणात्मक संवेगिक बुद्धि की भूमिका। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंस, 36(2), 277-293।
17. साक्लोफस्के, डी. एच., ऑस्टिन, ई. जे., एवं मिन्स्की, पी. एस. (2003)। गुणात्मक संवेगिक बुद्धि मापन का कारक संरचना और वैधता। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंस, 34(4), 707-721।
18. रिवर्स, एस. ई., ब्रैकेट, एम. ए., रेयस, एम. आर., एवं सालोवे, पी. (2012)। प्रारंभिक किशोरावस्था में MSCEIT-YV के साथ संवेगिक बुद्धि का मापन: मनोशैक्षणिक प्रदर्शन और सामाजिक-भावनात्मक कार्यक्षमता से संबंध। जर्नल ऑफ साइकोएजुकेशनल असेसमेंट, 30(4), 344-355।
19. भारत सरकार। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
20. Sharma, R., & Yadav, P. (2021)। स्कूल जलवायु का छात्रों की सीखने की उपलब्धियों पर प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोसाइटी, 12(3), 45-58।
21. Cohen, J., McCabe, L., Michelli, N. M., & Pickeral, T. (2009)। स्कूल क्लाइमेट: अनुसंधान, नीति, अभ्यास और शिक्षक प्रशिक्षण। टीचर्स कॉलेज रिकॉर्ड, 111(1), 180-213।
22. Goleman, D. (1995)। Emotional Intelligence: Why it can matter more than IQ. New York: Bantam Books.

•